**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 957**

**22.12.2017 को दिया जाने वाला उत्‍तर**

**तमिलनाडु में रेल परियोजनाएं**

**957. डा॰ वी॰ मैत्रेयनः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) तमिलनाडु में चल रही/लंबित रेल परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति का जोन-वार तथा मंडल-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) आज की तिथि के अनुसार इनमें से प्रत्येक परियोजना के निष्पादन हेतु कुल कितनी-कितनी निधियां चिन्हित तथा आवंटित की गई हैं;

(ग) इन पर अब तक खर्च की गई राशि का ब्यौरा क्या है;

(घ) विलम्बित हो रही परियोजनाओं की सूची क्या है तथा इन परियोजनाओं के पूरे होने में विलंब के कारण हुई लागत बढ़ोतरी सहित इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) इन परियोजनाओं के पूरा होने के लिए तय समय सीमा क्या है तथा रेलवे द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं अथवा उठाए जा रहे हैं?

**उत्‍तर**

**रेल मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (श्री राजेन गोहांई)**

(क) से (ङ) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*

तमिलनाडु में चल रही रेल परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 22.12.2017 को राज्‍य सभा में डा॰ वी॰ मैत्रेयन द्वारा पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 957 के भाग (क) से (ङ) के उत्‍तर से संबंधित **विवरण**।

(क) से (घ) बजट में शामिल की गई परियोजनाएं जो तमिलनाडु राज्‍य में अंशत: अथवा पूर्ण रूप से पड़ती हैं, की नवीनतम अनुमानित लागत, मार्च, 2017 तक किया गया व्‍यय और उपलब्‍ध कराए गए परिव्‍यय सहित ब्‍यौरे निम्‍नानुसार हैं:

(करोड़ रुपए में)

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **चालू परियोजनाएं** | **जोन (रेलवे)** | **नवीनतम लागत** | **मार्च, 2017 तक किया गया व्‍यय** | **परिव्‍यय 2017-18** | **स्थिति** |
|  | **नई लाइन** |  |  |  |  |  |
| 1. | टिंडीवनम-जिंजी-तिरूवन्‍नमलै  (70 किमी) | दक्षिण | 900 | 59.9 | 19 | राज्‍य सरकार को अपेक्षित भूमि का अधिग्रहण तेज करना है। प्रमुख पुलों पर कार्य शुरू हो गया है। |
| 2. | टिंडीवनम-नागरी  (179.2 किमी) | दक्षिण | 2300 | 209.66 | 47 | वालाजाह रोड-रानीपेट (6.5 किमी) के ट्रैक लिंकिंग का कार्य पूरा हो गया है। शेष भाग में तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश सरकार को रेलों को अपेक्षित भूमि शीघ्र सौंपी जानी है। |
| 3. | अट्टिपट्टु-पुत्‍तुर (88.30 किमी) | दक्षिण | 528 | 3.34 | 0.05 | भूमि आवश्‍यकता के बारे में तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश सरकार को बता दिया गया है। कोई भूमि प्राप्‍त नहीं हुई है। |
| 4. | एरोड-पलानी  (91.05 किमी) | दक्षिण | 603 | 1.63 | 1.1 | तमिलनाडु सरकार को नि:शुल्क भूमि उपलब्‍ध कराने और परियोजना की 50 प्रतिशत लागत वहन करने के लिए अनुरोध किया गया है। |
| 5. | महाबलिपुरम के रास्‍ते चैन्नई-कुड्डालोर  (179.28 किमी) | दक्षिण | 2350 | 2.27 | 0.1 | पुडुचेरी क्षेत्र में संशोधित संरेखण को अनुमोदित कर दिया गया है और संपूर्ण परियोजना के लिए योजना और अनुमान बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। |
| 6. | मदुरै-तूतीकोरिन (143.5 किमी) | दक्षिण | 1500 | 55.2 | 100 | राज्‍य सरकार द्वारा रेलों को अपेक्षित भूमि शीघ्र सौंपी जानी है। मिलावित्‍तन-मेल्‍ममरूदुर (18 किमी) पर मिट्टी एवं पुल संबंधी कार्य शुरू हो गए हैं। |
| 7. | इरूंगट्टुकोट्टै-अवडी-श्रीपेरुम्‍बुदूर तक विस्‍तार सहित श्रीपेरूम्‍बदूर-गुडुवंचेरी (60 किमी) | दक्षिण | 1500 | 0.61 | 0.1 | परियोजना को अपेक्षित क्लीयरेंसों के अध्यधीन बजट 2013-14 में शामिल किया गया है। |
| 8. | मोरप्‍पुर-धर्मपुरी  (36 किमी) | दक्षिण | 358 | 0 | 0.1 | परियोजना को अपेक्षित क्‍लीयरेंसों के अध्‍यधीन बजट 2016-17 में शामिल किया गया है। राज्‍य सरकार को संयुक्‍त उद्यम मॉडल द्वारा कार्य शुरू करने के लिए उनकी सहमति का अनुरोध किया गया है। |
| 9. | बेंगलूरू-सत्‍यामंगलम (260 किमी) के हेज्‍जला-चामराजनगर खंड (142 किमी) | दक्षिण पश्चिम | 1524 | 5.59 | 21 | केवल कर्नाटक में अंशत: पड़ने वाले हेज्‍जला-चामराजनगर खंड (142 किमी) में कार्य शुरू हो गया है। चामराजनगर खंड से आगे तमिलनाडु में पड़ने वाले आंशिक हिस्‍से में राज्‍य सरकार के निर्णयानुसार कार्य रोक दिया गया है। |
|  | आमान परिवर्तन |  |  |  |  |  |
| 1. | नीडामंगलम-मन्नारगुडी और मन्नारगुडी-पत्‍तुकोट्टै नई लाइनों सहित मयलिदुतुरै-तिरूवरूर-करैकुडी एवं तिरूतुरैपुंडी-अ‍गस्तियमपल्‍ली (224 किमी.) | दक्षिण | 2072.5 | 832.99 | 240 | मयलिदुतुरै-तिरूवरूर आमान परिवर्तन (38 किमी) और निदामंगलम-मन्‍नारगुडी नई लाइन (13 किमी) को शुरू कर दिया गया है। करैकुडी-पत्‍तुकोट्टै (73 किमी) का कार्य पूरा होने के अंतिम चरण में है। शेष आमान परिवर्तन का कार्य भी शुरू हो गया है।  मन्‍नारगुडी-पत्‍तुकोट्टै के लिए, अपेक्षित स्‍वीकृति के लिए विस्‍तृत अनुमान प्रक्रिया शुरू हो गई है। जहां तक तंजावुर-पत्‍तुकोट्टै नई लाइन का संबंध है, कार्य को शुरू करना विचाराधीन है। |
| 2. | मदुरै-बोदीनयक्‍कनुर (90.41 किमी) | दक्षिण | 302.90 | 29.78 | 70.7 | मिट्टी, पुल आदि संबंधी कार्य शुरू हो गए हैं। |
| 3. | कोल्लम-तिरूनेलवेली-तिरूचेंदुर एवं तेनकासी-विरूद्धुनगर (357 किमी) | दक्षिण | 1170 | 1119.89 | 41.48 | 336 किमी पर यातायात शुरू हो गया है। शेष भाग अर्थात न्‍यू अर्यन्‍कावु-एडमन्‍न (21 किमी) जो केरल राज्‍य में पड़ता है, पर कार्य अंतिम चरण में है। |
| 4. | चिन्‍नासलेम-कल्‍लाकुरीच्चि नई लाइन के सामग्री आशोधन (16 किमी) सहित वृद्धाचलम के रास्‍ते कुड्डालोर-सेलम आमान परिवर्तन (191 किमी.) | दक्षिण | 556.64 | 303.72 | 0.01 | 191 किमी आमान परिवर्तन शुरू हो गया है। चिन्‍नासलेम-कल्‍लाकुरीच्चि नई लाइन (16 किमी) के लिए राज्‍य सरकार द्वारा कोई भूमि सौंपी नहीं गई है। |
| 5. | नागापट्टिनम-तिरूतुरैपुंडी नई लाइन (43 किमी) एवं कारक्काल-पेरलम नई लाइन (23 किमी) सहित तिरूच्चिराप्‍पल्‍ली-नागौर-कारक्काल आमान परिवर्तन | दक्षिण | 980 | 630.89 | 40 | 135 किमी तिरूच्चिराप्‍पल्‍ली-नागौर आमान परिवर्तन और 20 किमी नागापट्टिनम-वेलंकन्‍नी एवं नागौर-कारक्काल नई लाइन को शुरू कर दिया गया है। नागापट्टिनम-तिरूतुरैपुंडी नई लाइन (43 किमी) के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हो गया है और मिट्टी संबंधी एवं पुल संबंधी कार्य शुरू हो गए हैं। कारक्काल-पेरलम नई लाइन (23 किमी) के लिए, कारक्काल पोर्ट ऑथारिटी ने कार्य को वित्‍तपोषित करने के लिए अपनी सहमति दे दी है। |
| 6 | मेट्टुपलयम तक विस्‍तार सहित मैसूर-चामराजनगर (148 किमी) | दक्षिण पश्चिम | 608 | 201.98 | 0.5 | कर्नाटक क्षेत्र में 60 किमी पर आमान परिवर्तन कार्य शुरू हो गया है। तमिलनाडु में आंशिक रूप से पड़ने वाले नयी लाइन विस्‍तार (88 किमी) पर कार्य अपेक्षित क्‍लीयरेंसों के अभाव में रूक गया है। |
|  | दोहरीकरण |  |  |  |  |  |
| 1. | चेन्‍नई बीच-कोरूक्‍कुपेट तीसरी लाइन (4.1 किमी) | दक्षिण | 167.61 | 79.57 | 25.2 | मिट्टी और पुल संबंधी कार्य शुरू हो गए हैं। |
| 2. | चेन्‍नई बीच-अट्टिपट्टु चौथी लाइन  (22.1 किमी) | दक्षिण | 258.31 | 115.46 | 80 | तिरूवोत्तियुर-एननोर-अट्टिपट्टु पुडुनगर (11.3 किमी) पर यातायात शुरू हो गया है। शेष खंड पर मिट्टी और पुल संबंधी कार्य शुरू हो गए हैं। राज्‍य सरकार को शेष भूमि को शीघ्र सौंपा जाना है। |
| 3. | तांबरम-चेंगलपट्टु तीसरी लाइन (30 किमी) सहित चेंगलपट्टु-विल्‍लुपुरम (103 किमी) | दक्षिण | 951.24 | 639.3 | 113.57 | 103 किमी दोहरीकरण कार्य शुरू हो गया है। तांबरम-चेंगलपट्टु तीसरी लाइन पर मिट्टी संबंधी एवं पुल संबंधी कार्य शुरू हो गए हैं। |
| 4. | विद्युतीकरण सहित विल्‍लुपुरम-डिंडीगुल (273 किमी) | दक्षिण | 1500 | 1580.43 | 100 | 245 किमी पर यातायात शुरू हो गया है। शेष भाग अर्थात कलपट्टीचतरम-तमरैपाडी पर कार्य अंतिम चरण में है। |
| 5. | विद्युतीकरण सहित ओमलूर-मैट्टूर डेम (29.03 किमी) | दक्षिण | 231.67 | 65.02 | 97.56 | भूमि अधिग्रहण, मिट्टी, पुल संबंधी कार्य शुरू हो गए हैं। राज्‍य सरकार को शेष भूमि जल्‍द सौंपी जानी है। |
| 6. | पोन्‍मल्‍लै से पहले (1.13 किमी) तक बाईपास लाइन सहित तंजावुर-पोनमलै  (49.96 किमी) | दक्षिण | 455.96 | 255 | 20 | बाई पास लाइन (2.2 किमी) पर 2017 में यातायात शुरू हो गया है। तंजावुर-पोनमलै खंड में मिट्टी संबंधी, गिट्टी बिछाने और पुल संबं‍धी कार्य शुरू हो गए हैं। |
| 7. | चेन्नई सेंट्रल - बेसिन ब्रिज जंक्‍शन - पांचवीं एवं छठीं लाइन (2.2 किमी) | दक्षिण | 25 | 8.42 | 0.3 | विस्‍तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का कार्य शुरू हो गया है। |
| 8. | त्रिवेंद्रम-कन्‍याकुमारी (86.56 किमी) | दक्षिण | 1431 | .. | 50 | विस्‍तृत अनुमान स्‍वीकृत हो गए हैं। |
| 9. | मदुरै-मनियाची-तूतीकोरिन  (160 किमी) | दक्षिण | 1182 | … | 30 | मिट्टी और पुल संबंधी कार्य शुरू हो गए हैं। |
| 10. | मनियाची-नागरकोईल  (102 किमी) | दक्षिण | 1003 | … | 30 | परियोजना के विस्‍तृत अनुमान स्‍वीकृत हो गए हैं। |
| 11. | सेलम-मग्‍नेसाइट जंक्‍शन-ओमलूर (11 किमी) | दक्षिण | 114.87 | … | 1 | विस्‍तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है। |

अधिकांश रेल परियोजनाएं भूमि अधिग्रहण में देरी, वन एवं वन्य जीव क्लीयरेंसों जैसी सांविधिक क्लीयरेंस, सेवाओं का अंतरण, पेडों की कटाई, सड़क अनुरक्षण एजेंसियों द्वारा ऊपरी सड़क पुलों का निर्माण और निचले सड़क पुलों के निर्माण के कारण लागत अधिवृद्धि की स्थिति का सामना कर रही हैं। केवल भूमि अधिग्रहण के कारण लागत अधिवृद्धि अथवा राजस्‍व हानि की गणना करना व्‍यवहार्य नहीं है।

(ङ) परियोजनाओं का पूरा होना पर्याप्‍त धन की उपलब्‍धता के अतिरिक्‍त, भूमि अधिग्रहण, वन और वन्‍य जीव क्‍लीयरेंस, विभिन्‍न सेवाओं के अंतरण, सड़क अनुरक्षण विभागों द्वारा ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण जैसे कई कारकों पर निर्भर करता है। चूंकि इनमें से कई कारक रेल मंत्रालय के नियंत्रण में नहीं हैं, सभी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए समय-सीमा निर्धारित करना व्‍यवहार्य नहीं है।

परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के लिए, कार्यों की गति बढ़ाने के लिए राज्‍य सरकार और अन्‍य लाभार्थियों द्वारा वित्‍तपोषण जैसे उपायों द्वारा बढ़ा हुआ धन आबंटन, जीवन बीमा निगम जैसे संस्‍थानों से ऋण द्वारा वित्‍तपोषण, विशेष प्रयोज्‍य योजनाओं द्वारा परियोजनाओं का निष्‍पादन आदि जैसे कई पहलकदमियां शुरू की गई हैं। इनके अतिरिक्‍त, भूमि अधिग्रहण में देरी को कम करने, सुरक्षा मुद्दों और वन संबंधी क्‍लीयरेंसों आदि के लिए समय-समय पर विभिन्‍न स्‍तरों पर राज्‍य सरकार के अधिकारियों के साथ बैठकें आयोजित की जाती हैं। फील्‍ड इकाइयों को भी शक्तियों के और अधिक प्रत्‍यायोजन द्वारा सशक्‍त किया गया है और ठेका प्रबंधन में कुशलता लाने के लिए ठेका शर्तों में आशोधन किया गया है।

\*\*\*\*